अमर उजाला

29.10.2018

हार से न घबराएं, प्रयास करते रहें : सुशील

तीन दिवसीय वार्षिक खेल समारोह का समापन, आईआईटी बीएचयू की टीम रही ओवरऑल चैंपियन

विजेता टीम को पुरस्कृत करतीं विशिष्ट अतिथी कुंजुरानी देवी । अमर उजाला

सुशील कुमार

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में तीन दिवसीय वार्षिक खेल समारोह स्पर्धा 2018 का रविवार को समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस समारोह में आईआईटी बीएचयू की टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल चैंपियन रही। बतौर मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय पहलवान सुशील कुमार, विशिष्ट अतिथि कुंजरानी देवी आदि ने विजेता टीम के साथ ही सभी टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि स्पोर्टसमैन कभी डिप्रेशन में नहीं आता है। हार-जीत तो हर खेल में लगा रहता है, इससे घबराने की जरूरत नहीं बल्कि तपस्या करते रहने की जरूरत है।

जिमखाना मैदान में आयोजित समापन समारोह में सुशील कुमार ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में चुनौतियां आती रहती हैं। उनका डटकर सामना करते रहना चाहिए। लोग तरह-तरह की बात करते रहते हैं लेकिन यह देखना होगा कि मतलब की बात दिमाग में रखनी चाहिए बाकी की बातों में न पड़कर अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहना चाहिए। पूर्व अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन खिलाड़ी कुंजरानी देवी ने कहा कि अब हर खेल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती जा रही है और पदक भी आ रहे हैं। उन्होंने आईआईटी बीएचयू समेत अन्य जगहों से आए खिलाड़ियों को बधाई भी दी। अतिथियों का स्वागत खेल परामर्शदाता प्रो.आरएस सिंह ने किया। इस दौरान प्रो. एसके शर्मा, एनटीपीसी के जीएम उत्तम लाल, स्पर्धा संयोजक सौरभ मीना, खेल परिषद संयोजक लक्ष्य आनंद, इशिता हंगर, कई लोग मौजूद रहे।

नंदू ने तैयार की नई पिच

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में इस बार स्पर्धा के सभी मैच नए पिच पर कराए गए। इसके लिए आईआईटी बीएचयू समेत अन्य जगहों से आए खिलाड़ियों ने पिच पिच क्यूरेटर नंद कुमार नंदू की सराहना की। उधर नंदू ने बातचीत में बताया कि स्पर्धा के इस आयोजन के लिए वह अपने सहयोगियों के साथ मई से ही पिच तैयार करने में लगे थे। बताया कि सुबह 8 बजे से लेकर रात 8-9 बजे तक सभी सदस्य लगे रहे। इस बार क्रिकेट के पिच को 30 यार्ड बढ़ाया गया है साथ ही उसको थोड़ा ऊंचा बनाया गया है, जिससे कि बारिश होने पर पानी पिच पर न रुके। बताया कि इस बार पिच पर अलग तरीके से घास लगवाया गया है। बताया कि जीवन में रिश्क लेना सीखा है, जब तक रिश्क लेकर कोई काम न किया जाए, उसमें आनंद नहीं आता है।

रेसलिंग में बढ़ीं सुविधाएं

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय पहलवान सुशील कुमार ने कहा कि रेसलिंग में सुविधाएं बढ़ने के साथ ही अब इस खेल में मेडल भी साल दर साल बढ़ रहे हैं। बताया कि केवल हरियाणा ही नहीं यूपी, कनार्टक, मध्य प्रदेश हर राज्य से खिलाड़ी निकलने लगे हैं। जितना मेडल बढ़ता है, उतनी ही प्रतिस्पर्धा खेल में बढ़ जाती है। स्वर्ण पदक पाने के लिए परिश्रम जारी है, देशवासियों के आशीर्वाद से जल्द ही यह सपना भी पूरा होगा। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि खेलो इंडिया के साथ अब यूथ गेम को बढ़ावा दिया जा रहा है।